एयर इंडिया ने कम की घरेलू फ्लाइट्स

घरेलू के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर भी उड़ानों की संख्या में कटौती की घोषणा की

नई दिल्ली, 27 मई. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने विमान ईंधन की ऊंची लागत के मद्देनजर' घरेलू के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर भी उड़ानों की संख्या में कटौती की घोषणा की है.एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी ने जून से अगस्त के बीच चुनिंदा मार्गों पर उड़ानों की संख्या कम करने का फैसला किया गया है.

उन्होंने कहा, 'सकल परिचालन पर ईंधन की ऊंची लागत के जारी प्रभाव के कारण ये बदलाव किये गये हैं.प्रभावित यात्रियों को दूसरी उड़ानों में बुकिंग, तारीख में बिना शुल्क बदलाव या पूरा रिफंड लेने के विकल्प दिये जायेंगे.इससे पहले, एयर इंडिया ने जून से अगस्त के बीच अपनी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में करीब 30 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की थी. इसमें कुछ मार्गों पर उड़ानें पूर तरह बंद करने और कई मार्गों पर उड़ानों की संख्या में कमी शामिल है.प्रवक्ता की ओर से आज जारी बयान में कहा गया है कि एयरलाइंस मांग और परिचालन की परिस्थितियों पर लगातार नजर बनाये रखेगी और जैसे ही परिस्थितियों में स्थिरता आती है, उड़ानों में कटौती समाप्त की जायेगी.

> उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का उत्पादन और आपूर्ति प्रभावित होने से विमान ईंधन की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है. सरकार ने घरेलू विमान सेवा कंपनियों की घरेलू उड़ानों के लिए विमान ईंधन की कीमत में एक महीने में अधिकतम 25 प्रतिशत वृद्धि की सीमा तय की है. हालांकि अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए ऐसी कोई सीमा तय नहीं की गयी है.

रुपया 44 पैसे टूटा

मुंबई, 27 मई. कच्चे तेल में रही तेजी से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को 44.50 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.7050 रुपये प्रति डॉलर बोला गया. पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 34 पैसे की मजबूती के साथ 95.26 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी.रुपया में आज पूरे दिन गिरावट रही. यह 17 पैसे गिरकर 95.43 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी से रुपया दबाव में रहा. कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा तीन प्रतिशत चढ़कर 99 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक में रही 0.1 प्रतिशत नरमी विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में पैसा लगाने से रुपये की गिरावट कुछ हद तक नियंत्रित रही.

टाटा संस बोर्ड के सामने स्टार्टअप प्रेजेंटेशन

12 जून को फिर होगी टाटा बैठक

नोएल टाटा ने बढ़ते घाटे और आईपीओ लिस्टिंग पर चिंता जताई

नई दिल्ली, 27 मई. नए जमाने के बिजनेस प्रमुखों ने मंगलवार को टाटा संस के छह सदस्यीय बोर्ड के सामने प्रेजेंटेशन दिए. एअर इंडिया, टाटा डिजिटल और टाटा इलेक्ट्रानिक्स भविष्य के नजरिये से समूह के सबसे महत्वाकांक्षी दांवों में से एक हैं, लेकिन अभी घाटे से जूझ रहे हैं.

हालांकि, इस बात का पता नहीं चला है कि बोर्ड बैठक में क्या फैसले लिए गए. इस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा भी शामिल हुए. नोएल टाटा ने ही समूह के कुछ कारोबार में हो रहे घाटे को लेकर चिंता जताई थी.

टाटा संस बोर्ड की अगली बैठक 12 जून को होने की संभावना है, और उस बैठक में मौजूदा चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर चर्चा हो सकती है. दक्षिण मुंबई स्थित बांबे हाउस में आयोजित इस बैठक में हिस्सा लेकर जब टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन बाहर निकले तो उन्होंने बोर्ड बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में मीडिया से कोई बात नहीं की.

माना जा रहा है कि चंद्रशेखर और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने समूह की कंपनियों के प्रदर्शन से जुड़े मामलों पर चर्चा के लिए कुछ दिनों पहले मुलाकात की थी.

> दरअसल, नोएल टाटा टाटा संस में बढ़ते घाटे को लेकर चिंतित हैं. उन नए बिजनेस से हो रहे घाटे को लेकर, जिन्हें एन चंद्रशेखरन ने शुरू किया है. इसमें टाटा डिजिटल और इलेक्ट्रानिक्स से जुड़े उद्यम के साथ ही एअर इंडिया शामिल है. नोएल टाटा टाटा संस को आइपीओ के जरिये सूचीबद्ध कराने में हिचकिचा रहे हैं. अभी टाटा संस एक निवेश कंपनी है, जिसे आरबीआइ ने शीर्ष 15 गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में शामिल किया है और इनका सूचीबद्ध होना जरूरी है. नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा को पहले ही समूह से जुड़े कुछ ट्रस्ट या फाउंडेशन में शामिल किया जा चुका है.

ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने पेश किया 'रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़

नवभारत,जबलपुर। ब्लेंडर्स प्राइड पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर ने 'ब्लेंडर्स प्राइड रिज़र्व्ड एक्सपीरियंसेज़' नामक एक नए सांस्कृतिक मंच की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य फ्लेवर को सभी इंद्रियों से महसूस किए जाने वाले बहु-इंद्रिय अनुभव में बदलना है। 'रिज़र्व्ड इन एवरी सेंस' की अवधारणा पर आधारित यह मंच गुरुग्राम, चंडीगढ़ और जयपुर के बाद कोलकाता पहुँचेगा। 10 से अधिक प्रमुख बाज़ारों में आयोजित होने वाले इन अनुभवों का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को फ्लेवर को अधिक इमर्सिव तरीके से अनुभव कराने का अवसर देना है।

शेफ कुणाल कपूर के साथ मिलकर तैयार किए गए इस विशेष अनुभव में एक लाइव गैस्ट्रो-परफॉर्मेंस दी गई, जिसमें संगीत और फ्लेवर को रियल टाइम में एक साथ प्रस्तुत किया गया। इसमें टेक्सचर, खुशबू और संगीत की लय को जोड़कर एक अनोखा बहु-इंद्रिय अनुभव तैयार किया गया। इस आयोजन में फ्लेवर को विजुअल इंस्टॉलेशन, खुशबू आधारित अनुभव, स्पर्श आधारित गतिविधियों और विशेष टेस्टिंग अनुभव के जरिए अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत किया गया।

सांस्कृतिक पहचान और नया अंदाज

इस अनुभव पर बात करते हुए कुणाल कपूर ने कहा कि इसके जरिए फ्लेवर को प्लेट से आगे ले जाकर अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत किया गया है, ताकि लोग इसे अधिक गहराई से महसूस कर सकें। वहीं पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबाश्री दासगुप्ता ने कहा कि आज के उपभोक्ता अधिक खास और प्रीमियम अनुभवों की तलाश में हैं, और यह मंच फ्लेवर की गहराई को बहु-इंद्रिय अनुभवों के माध्यम से प्रस्तुत करता है। इसके जरिए ब्रांड नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं के लिए एक अलग सांस्कृतिक पहचान बना रहा है।

200 में जियो का नया ओटीटी पास

1000 से ज्यादा टीवी चैनल और 30 जीबी डाटा

28 दिन तक मिलेगा अनलिमिटेड डाटा और मनोरंजन

मुंबई, 27 मई. अगर आप अलग-अलग ओटीटी ऐप्स के लिए बार-बार रिचार्ज कराने से बचना चाहते हैं, तो जियो एक नया ऑफर लेकर आया है. कंपनी ने 200 का नया जियो ओटीटी पास लॉन्च किया है, जिसमें ग्राहकों को 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप्स, 1000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल, 30 जीबी हाई-स्पीड डाटा और अनलिमिटेड 5जी की सुविधा मिलेगी.

पैक की वैधता 28 दिनों की होगी. इस पैक में यूट्यूब प्रीमियम, जियोहॉटस्टार मोबाइल प्लस हॉलीवुड और प्राइम वीडियो मोबाइल एडिशन शामिल हैं. इसके अलावा सोनीलिव, जी5, लायंसगेट प्ले, डिस्कवरी प्लस, सन एनएक्सटी, फैनकोड, कंच्छा लंका, प्लैनेट मराठी, चौपाल, होइचोइ, टाइम्सप्ले और तरंग प्लस जैसे 12 अतिरिक्त ओटीटी प्लेटफॉर्म को जियोटीवी के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है. ग्राहक जियोटीवी पर 1000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल भी देख सकेंगे. जियो के मुताबिक इसमें स्टार, सोनी, सन टीवी और डिस्कवरी जैसे नेटवर्क के कई मनोरंजन, फिल्म, खेल और क्षेत्रीय चैनल भी शामिल हैं. इस ऑफर का फायदा उठाने के लिए ग्राहकों के पास पहले से एक सक्रिय जियो बेस प्लान होना जरूरी है. इसके बाद ग्राहक मायजियो ऐप, जियो डॉट कॉम, रिटेल स्टोर या दूसरे रिचार्ज ऐप्स के जरिए 200 वाला ओटीटी पास सक्रिय कर सकते हैं.

इंडियन मेडिसिन्स फार्मा कंपनी का होगा अधिग्रहण

नई दिल्ली, 27 मई. सरकार ने आयुष मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण वाले केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्यूटिकल कॉर्पोरेशन की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी के अधिग्रहण करने केस्काईमैप फार्मास्यूटिकल्स के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है.

वित्त मंत्रालय ने कहा कि रणनीतिक विनिवेश का यह सौदा दो चरणों वाली प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से किया गया. विनिवेश के इस निर्णय में एक बहु-स्तरीय परामर्श-आधारित प्रक्रिया अपनायी गयी. निजी क्षेत्र की कंपनी ने केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम आईएमपीसीएल की शत-प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 121 करोड़ 94 हजार 400 रुपये की बोली लगायी थी.

केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति द्वारा अधिकृत मंत्रियों के एक समूह वाले 'वैकल्पिक तंत्र' ने स्काईमैप फार्मास्यूटिकल्स की बोली को मंजूरी दी है. इसने सबसे ऊंची बोली लगायी थी. बोली पर निर्णय करने वाले वैकल्पिक तंत्र में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, वित्त मंत्री और आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री शामिल थे. इसके तहत स्काईमैप फार्मास्यूटिक्ल्स को आईएमपीसीएल की 100 प्रतिशत शेयरधारिता और प्रबंधकीय नियंत्रण हस्तांतरित किया जायेगा. आईएमपीसीएल की स्थापना 12 जुलाई 1978 को की गयी थी, जिसका मुख्य उद्देश्य मानकीकृत आयुर्वेदिक और यूनानी दवाओं की निर्माण और आपूर्ति करना था.

> इस विनिवेश कार्यक्रम में रणनीतिक खरीदार की पहचान के लिए दो-चरणों वाली बोली प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद इस सौदे के लिए पेशेवर सलाहकारों की नियुक्ति की गयी. संभावित बोलीदाताओं से 'अभिरुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित करने वाला 'प्रारंभिक सूचना ज्ञापन' पहली सितंबर 2023 को जारी किया गया था. इसके जवाब में सात इच्छुक पक्षों ने अपनी अभिरुचि व्यक्त की और उन सभी को 'योग्य बोलीदाताओं'

किसानों की मेहनत से बढ़ा कृषि उत्पादन : शिवराज

नई दिल्ली, 27 मई. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2025-26 के लिए प्रमुख कृषि फसलों के तीसरे अग्रिम अनुमान जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है, जिसका सकारात्मक परिणाम अब रिकॉर्ड उत्पादन के रूप में सामने आ रहा है.

देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 3577.32 लाख टन की तुलना में लगभग 188 लाख टन यानी 5.3 प्रतिशत अधिक है, जो इतिहास में अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है, शिवराज सिंह ने इसके लिए अन्नदाताओं को बधाई दी है. कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वर्ष 2025-26 के तीसरे अग्रिम अनुमान देश के कृषि क्षेत्र की मजबूत प्रगति की तस्वीर पेश करते हैं. चौहान ने कहा कि किसान हितैषी प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में सरकार खेती को मजबूत करने और किसानों की खुशहाली बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और यही वजह है कि कृषि उत्पादन में निरंतर सुधार दर्ज हो रहा है.

> शिवराज ने बताया कि फसलवार सारांश के अनुसार कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन है. इसमें चावल 1540.24 लाख टन, गेहूं 1206.57 लाख टन और मक्का 550.93 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर हैं. अन्न 175.84 लाख टन, तूर 35.92 लाख टन, चना 125.14 लाख टन और मसूर 17.62 लाख टन अनुमानित है. इसी तरह, कुल तिलहन उत्पादन 430.59 लाख टन अनुमानित है. इसमें मूंगफली 130.74 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है, सोयाबीन 125.96 लाख टन है और रेपसीड एवं सरसों 137.68 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है.

45 करोड़ केस में फंसा एचडीएफसी बैंक

नई दिल्ली, 27 मई. एचडीएफसी बैंक में 45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर इंटरनल जांच की खबर सामने आने के बाद शेयरों में गिरावट दर्ज की गई. यह रकम महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को डिफरेंशियल इंटरेस्ट के रूप में कथित तौर पर मार्केटिंग खर्च के जरिए दी गई थी. इस मामले में जांच की जा रही है.

भारत के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आने के बाद शेयर बाजार में हलचल तेज हो गई है. बुधवार को बैंक के शेयर करीब 2% तक टूट गए और इंट्राडे कारोबार में 761 के स्तर तक पहुंच गए. गिरावट की वजह एक कथित आंतरिक जांच बताई जा रही है, जिसमें ?45 करोड़ के भुगतान को लेकर कई गंभीर सवाल उठे हैं.

> इस विनिवेश कार्यक्रम में रणनीतिक खरीदार की पहचान के लिए दो-चरणों वाली बोली प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद इस सौदे के लिए पेशेवर सलाहकारों की नियुक्ति की गयी. संभावित बोलीदाताओं से 'अभिरुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित करने वाला 'प्रारंभिक सूचना ज्ञापन' पहली सितंबर 2023 को जारी किया गया था. इसके जवाब में सात इच्छुक पक्षों ने अपनी अभिरुचि व्यक्त की और उन सभी को 'योग्य बोलीदाताओं'

समाचार विशेष

चीनी मिल चुनाव में चव्हाण की सतर्क रणनीति

सातारा. सातारा और सांगली जिले के सहकार क्षेत्र की अहम मानी जाने वाली यशवंतराव मोहिते कृष्णा सहकारी चीनी मिल के चुनाव में प्रचार तेज हो गया है. चुनावी मुकाबले के बीच अब सबकी नजर पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और उनके समर्थक कांग्रेस गुट की भूमिका पर टिकी हुई है.

राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या चव्हाण विधानसभा चुनाव में मिली हार का जवाब इस चीनी मिल चुनाव के जरिए देने की रणनीति बना रहे हैं. फिलहाल कृष्णा कारखाना चुनाव में डॉ. सुरेश भोसले के जयवंतराव भोसले सहकार पैनल और पूर्व अध्यक्ष अविनाश मोहिते के कृषिमहर्षी आबासाहेब मोहिते संस्थापक पैनल के बीच सीधा मुकाबला देखने को मिल रहा है. लेकिन कराड दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस और पृथ्वीराज चव्हाण गुट किस पक्ष का समर्थन करेगा, इसे लेकर अब भी स्थिति स्पष्ट नहीं है. आपको बता दे की, विधानसभा चुनाव में भाजपा के डॉ. अतुल भोसले ने चव्हाण को कड़ी शिकस्त दी थी. विधायक डॉ. अतुल भोसले और उनके पिता और मिल के अध्यक्ष डॉ. सुरेश भोसले इस मिल के चुनाव में सत्ताधारी गुट का नेतृत्व कर रहे है. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि, पृथ्वीराज चव्हाण खुलकर मैदान में उतरने के बजाय किसी मजबूत गुट को पर्दे के पीछे से समर्थन देने की रणनीति पर काम कर रहे हैं. माना जा रहा है कि, वे अपने समर्थकों को फिलहाल संयम बरतने और सही समय का इंतजार करने का संदेश दे रहे हैं. अगर कृष्णा चीनी मिल चुनाव के इतिहास पर नजर डालें तो कराड दक्षिण में कांग्रेस और पृथ्वीराज चव्हाण की ताकत पहले डॉ. इंद्रजीत मोहिते के नेतृत्व वाले गुट के साथ मजबूती से खड़ी रही है.

निष्ठावान कार्यकर्ताओं की एकजुटता बड़ी चुनौती

वहीं, पिछले कुछ वर्षों में कराड दक्षिण कांग्रेस में अंदरूनी मतभेद और टूट-फूट की भी चर्चा रही है. कई स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग राजनीतिक रास्ते चुन लिए हैं, जिससे क्षेत्र में कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत कमजोर हुई है. ऐसे में पृथ्वीराज चव्हाण के सामने अपने बचे हुए निष्ठावान कार्यकर्ताओं को एकजुट बनाए रखते हुए राजनीतिक फैसला लेने की बड़ी चुनौती है. अब सबकी नजर इस बात पर है कि नामांकन वापसी की अंतिम तारीख तक वे क्या रुख अपनाते हैं और अपने समर्थकों को क्या संदेश देते हैं.

तमिलनाडु भाजपा में बदलाव के संकेत

शाह से मिलने दिल्ली पहुंचे नैनार नागेंद्रन, अन्नामलाई की वापसी की चर्चा तेज

चेन्नई. हाल में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली हार के बाद बीजेपी की प्रदेश इकाई में बड़े स्तर पर संगठनात्मक बदलाव की चर्चा तेज हो गई है.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के दिल्ली रवाना के बाद नेतृत्व परिवर्तन को राजनीतिक हलचल बढ़ गई. माना जा रहा है कि चुनाव में मिली करारी हार के बाद पार्टी आलाकमान राज्य इकाई के भविष्य की नणनीति पर गंभीर मंथन कर रहा है.

प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पार्टी की विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन की समीक्षा के लिए हुई एक अहम प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में हिस्सा लिया था. बैठक के कुछ ही घंटों के भीतर नागेंद्रन दिल्ली के लिए रवाना हुए. पार्टी सूत्रों ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात का समय लेने की कोशिश की. इससे यह दौरा राजनीतिक रूप से और अधिक महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

चुनावी हार और संगठन से जुड़े मुद्दे पर हुई चर्चा- भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष की अध्यक्षता में राज्य कोर समिति की बैठक हुई थी. बैठक में तमिलनाडु विधानसभा में मिली चुनावी हार और संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई.

के. अन्नामलाई के नाम की चर्चा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी के आंतरिक चर्चाओं में तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई का नाम एक बार फिर से सामने आया है. अन्नामलाई के समर्थक उन्हें राज्य में महत्वपूर्ण संगठनात्मक भूमिका देने पर जोर दे रहे हैं. सूबे में चल रही गतिविधियों के बीच पार्टी नेताओं ने संकेत दिया कि नेतृत्व में बदलाव पर विचार-विमर्श जारी है.

एमएलसी चुनाव की तस्वीर साफ

पटना. बिहार में विधान परिषद की नौ सीटों पर चुनाव होने वाला है. इसके अलावा एक सीट पर उपचुनाव होगा, जो नीतीश कुमार के इस्तीफे से खाली हुई है. वह सीट जनता दल यू के खाते में जाएगी. लेकिन बाकी नौ सीटों को लेकर भी तस्वीर साफ हो गई है.

नौ में से एक सीट विपक्षी गठबंधन को मिलेगी, जो राजद के खाते में जाएगी. बची हुई आठ सीटों में से दो सीटें तय हैं. एक सीट उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को मिलेगी, जिनको मंत्री बनाया गया और दूसरी सीट लोक जनशक्ति पार्टी के खाते में जाएगी. इसके बाद बची हुई छह में से भाजपा और जनता दल यू में बराबर सीटें बंटने की चर्चा थी लेकिन अब कहा जा रहा है कि जदयू को दो ही सीट मिलेगी और चार सीट भाजपा रखेगी.

जनता दल यू को अगर दो सीटें मिलती हैं और एक सीट उपचुनाव वाली मिलती है तो उसके तीन उम्मीदवार भी लगभग तय हैं. उपचुनाव वाली सीट पर ललन कुमार को भेजा जाएगा. छह साल के कार्यकाल वाली दो सीटों में से एक पर नीतीश कुमार के बेटे निशांत और दूसरी सीट पर तारापुर के पूर्व विधायक राजीव रंजन के नाम की चर्चा है. राजीव रंजन की सीट विधानसभा चुनाव में सम्राट चौधरी के लिए छोड़ी गई थी.

विशेष | राहुल-खरगे सुलझाएंगे कर्नाटक का कलह!

सिद्धारमैया की दिल्ली एंट्री या डीके का बढ़ेगा इंतजार?

नई दिल्ली. कर्नाटक कांग्रेस में चल रही अंदरूनी कलह शांत नहीं हो रही है. इसी गतिरोध सुलझाने के लिए पार्टी आलाकमान जल्द बड़ा फैसला ले सकती है. ऐसी माना जा रहा है कि इस महीने के खत्म होने से पहले कांग्रेस कर्नाटक से जुड़े सभी मामलों को सुलझा लेगी. इस गतिरोध को सुलझाने के लिए जल्द ही सीएम सिद्धारमैया के साथ डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को भी दिल्ली बुलाया जा सकता है. कांग्रेस पार्टी के पास फिलहाल कर्नाटक के मसले को सुलझाने के तीन विकल्प मौजूद हैं.

कांग्रेस के पास पहला विकल्प यह है कि सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर काम जारी रखने दिया जाए और साथ ही उनको लंबे समय से अटके कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार को आगे बढ़ाने की अनुमति दी जाए. कांग्रेस के इस कदम से सरकार और पार्टी के भीतर सिद्धारमैया की स्थिति और मजबूत होगी. इसका यह भी मतलब होगा कि डी.के. शिवकुमार को शीर्ष पर पहुंचने के लिए लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है. ऐसी स्थिति में, कांग्रेस को डी.के. शिवकुमार को मनाना होगा, जिसके लिए उनके कैबिनेट विभागों को और मजबूत किया जा सकता है. इसके साथ ही शिवकुमार के भाई और करीबी सहयोगियों को बड़ी भूमिकाएं दी जा सकती हैं.

कांग्रेस के पास दूसरा विकल्प भी है, जिस पर चर्चा हो रही है कि सिद्धारमैया के लिए संभावित राष्ट्रीय भूमिका. कांग्रेस नेतृत्व उनको राज्यसभा में विपक्ष के नेता का पद देकर दिल्ली भेजने पर विचार कर सकता है.

सिद्धारमैया को मनाए कांग्रेस नेतृत्व

अब अगर पिछले दो विकल्प नहीं काम करते हैं तो आलाकमान के सामने तीसरा विकल्प यह है कि सिद्धारमैया को पद छोड़ने के लिए मनाया जाए. जिससे लंबे समय से चले आ रहे पावर शेयरिंग के वादे के अनुरूप डी.के. के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो. वहीं, सिद्धारमैया ने भी सार्वजनिक रूप से यह कहा है कि कांग्रेस आलाकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसका पालन करेंगे. मीडिया में चल रही खबरों के अनुसार, कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर अगले दो-तीन दिन में फैसला संभव है.